कम्प्यूटर,
इण्टरनेट
दवाइयां
अतिथि
स्थिति
परिस्थिति
उपस्थिति
गड़बड़
कवयित्री
परीक्षा
तदुपरांत
निःश्वास
त्योहार
गुरु
निरीह
पारलौकिक
गृहिणी
अभीष्ट
पुरुष
उपलक्ष
वयस्क
सांसारिक
तात्कालिक
ब्राह्मण
हृदय
स्रोत
सौहार्द
चिह्न
उद्देश्य

श्रीमती
आशीर्वाद
मध्याह्न
साक्षात्कार
रोशनी
कृत्य
व्यावहारिक
आकांक्षी
दिमाग
मंत्रियों
विशेष
उपर्युक्त
ब्रह्मा
ब्राह्मण
चिह्न
पूजनीय
कवयित्री
रचयिता
मानवीकरण
अध्ययन
उज्ज्वल
सहस्र
आर्द्र
सदृश

हिन्दी में किसी भी विराम चिह्न यथा पूर्णविराम, प्रश्नचिह्न आदि से पहले स्पेस नहीं आता। आजकल कई मुद्रित पुस्तकों, पत्रिकाओं में ऐसा होने के कारण लोग ऐसा ही टाइप करने लगते हैं जो कि गलत है। किसी भी विराम चिह्न से पहले स्पेस नहीं आना चाहिये।

फुलस्टॉप तथा लाघव चिह्न की गलती

अंग्रेजी में संक्षेपीकरण (abbreviation) के लिये फुलस्टॉप का प्रयोग किया जाता है, हिन्दी में इस कार्य के लिये लाघव चिह्न (०) होता है। प्रायः यह चिह्न कीबोर्ड पर सुलभ न होने से लोग इसके स्थान पर फुलस्टॉप का ही प्रयोग कर लेते हैं जबकि वह अशुद्ध है।

पञ्चमाक्षरों के नियम का सही ज्ञान न होने से बहुधा लोग इनके आधे अक्षरों की जगह अक्सर 'न्' का ही गलत प्रयोग करते हैं जैसे 'पण्डित' के स्थान पर 'पन्डित', 'विण्डोज़' के स्थान पर 'विन्डोज़', 'चञ्चल' के स्थान पर 'चन्चल' आदि। ये अधिकतर अशुद्धियाँ 'ञ्' तथा 'ण्' के स्थान पर 'न्' के प्रयोग की होती हैं।

कवर्ग - पङ्कज, गङ्गा (पंकज, गंगा)

चवर्ग - कुञ्जी, चञ्चल (कुंजी, चंचल)

टवर्ग - विण्डोज़, प्रिण्टर (विंडोज़, प्रिंटर)

तवर्ग - कुन्ती, शान्ति (कुंती, शांति)

पवर्ग - परम्परा, सम्भव (परंपरा, संभव)

गलत अर्थ में प्रयुक्त होने वाले शब्द

कई ऐसे शब्द हैं जिनका अर्थ तो कुछ और था लेकिन वे गलत अर्थ समझे जाने से भिन्न अर्थ में प्रयुक्त होने लगे हैं। उदाहरण के लिये ख़िलाफ़त का अर्थ "ख़लीफ़ा का पद और उसकी सत्ता" होता है लेकिन आम जनता जिसमें पढ़े-लिखे पत्रकार भी शामिल हैं, ख़िलाफ़त को मुख़ालिफ़त (विरोध) के अर्थ में ही धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं।